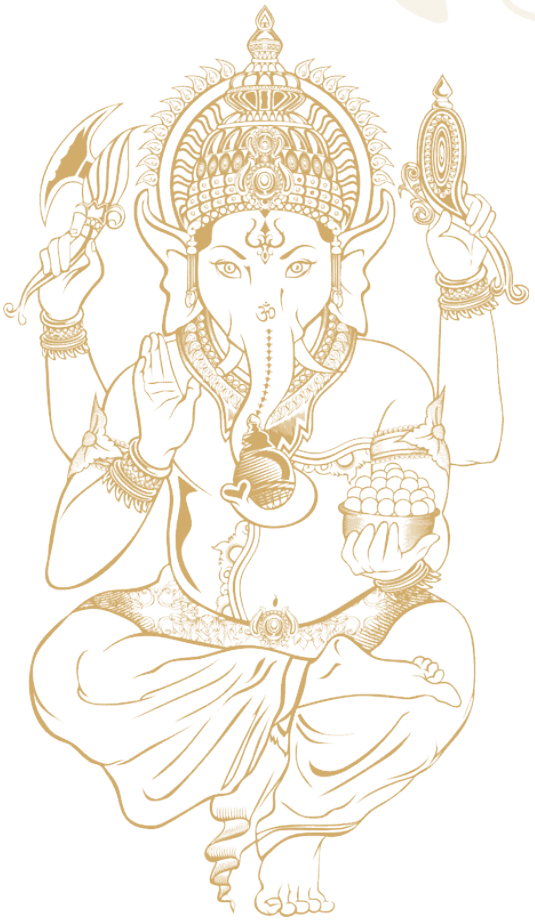

B

11 May 2026

02:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121889002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/05/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**14:30:00 घंटे**
इष्ट	22:22:03 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:36 घंटे
साम्पातिक काल	05:25:31 घंटे
सूर्योदय	05:33:10 घंटे
सूर्यास्त	19:02:16 घंटे
दिनमान	13:29:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	26:27:53 मेष
लग्न के अंश	28:10:59 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	28:10:59	317:40:07	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			मेष	26:27:53	00:57:59	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	14:00:25	13:00:22	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	00:03:32	00:45:32	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
बुध		अ	मेष	22:36:24	02:08:16	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु			मिथु	26:14:12	00:09:32	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	26:34:41	01:12:08	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	स्वराशि
शनि			मीन	16:03:05	00:06:18	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	11:37:25	00:00:10	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	11:37:25	00:00:10	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	06:38:10	00:03:28	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	09:20:33	00:01:41	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो	व		मक	11:16:38	00:00:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			वृष	27:51:27	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:37

लग्न-चलित

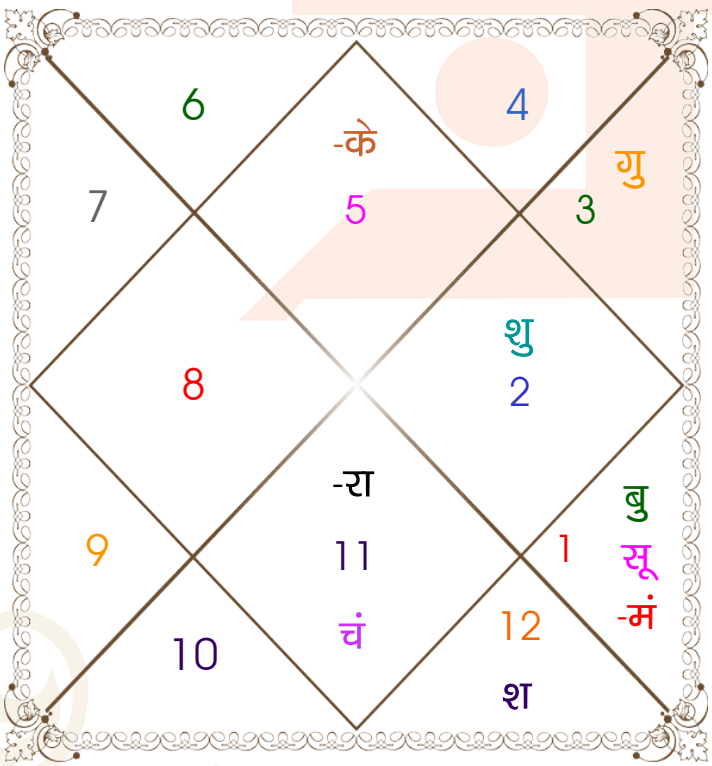

चन्द्र कुंडली

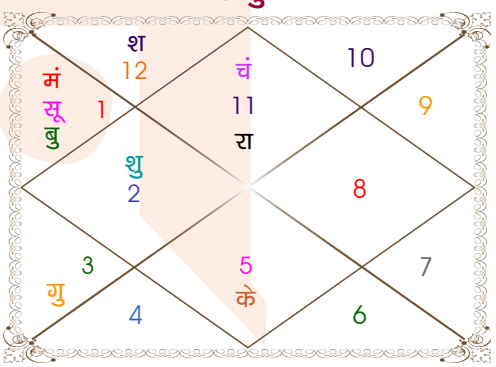

नवमांश कुंडली

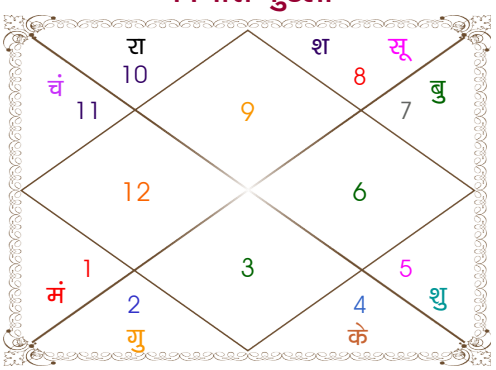

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 1 मास 2 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/05/2026		13/06/2034		13/06/2050		13/06/2069		13/06/2086	
13/06/2034		13/06/2050		13/06/2069		13/06/2086		13/06/2093	
	00/00/0000	गुरु	31/07/2036	शनि	16/06/2053	बुध	10/11/2071	केतु	09/11/2086
	00/00/0000	शनि	12/02/2039	बुध	24/02/2056	केतु	06/11/2072	शुक्र	09/01/2088
	11/05/2026	बुध	20/05/2041	केतु	04/04/2057	शुक्र	07/09/2075	सूर्य	16/05/2088
बुध	13/12/2026	केतु	25/04/2042	शुक्र	04/06/2060	सूर्य	13/07/2076	चंद्र	15/12/2088
केतु	31/12/2027	शुक्र	24/12/2044	सूर्य	17/05/2061	चंद्र	13/12/2077	मंगल	13/05/2089
शुक्र	31/12/2030	सूर्य	13/10/2045	चंद्र	16/12/2062	मंगल	10/12/2078	राहु	01/06/2090
सूर्य	25/11/2031	चंद्र	12/02/2047	मंगल	25/01/2064	राहु	28/06/2081	गुरु	08/05/2091
चंद्र	26/05/2033	मंगल	19/01/2048	राहु	01/12/2066	गुरु	04/10/2083	शनि	16/06/2092
मंगल	13/06/2034	राहु	13/06/2050	गुरु	13/06/2069	शनि	13/06/2086	बुध	13/06/2093

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/06/2093		14/06/2113		14/06/2119		14/06/2129		14/06/2136	
14/06/2113		14/06/2119		14/06/2129		14/06/2136		00/00/0000	
शुक्र	12/10/2096	सूर्य	02/10/2113	चंद्र	14/04/2120	मंगल	10/11/2129	राहु	25/02/2139
सूर्य	13/10/2097	चंद्र	02/04/2114	मंगल	13/11/2120	राहु	29/11/2130	गुरु	20/07/2141
चंद्र	13/06/2099	मंगल	08/08/2114	राहु	15/05/2122	गुरु	04/11/2131	शनि	26/05/2144
मंगल	14/08/2100	राहु	03/07/2115	गुरु	14/09/2123	शनि	13/12/2132	बुध	12/05/2146
राहु	14/08/2103	गुरु	20/04/2116	शनि	14/04/2125	बुध	11/12/2133		00/00/0000
गुरु	14/04/2106	शनि	02/04/2117	बुध	13/09/2126	केतु	09/05/2134		00/00/0000
शनि	14/06/2109	बुध	06/02/2118	केतु	15/04/2127	शुक्र	09/07/2135		00/00/0000
बुध	14/04/2112	केतु	14/06/2118	शुक्र	13/12/2128	सूर्य	14/11/2135		00/00/0000
केतु	14/06/2113	शुक्र	14/06/2119	सूर्य	14/06/2129	चंद्र	14/06/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 0 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।